आए आगम बानी इत

आए आगम बानी इत मिली, विश्व मुख करत बखान।
कौल सबन के पूरन भए, आए सो पोहोंचे निसान।।

चेतो सबे सत वादियो, सुनियो सो सतगुर मुख बान।
धनी मेरा प्रभु विश्व का, प्रगटिया परवान।।

पेहेले मंडल में मांगी मुझे, सो आए ब्याही इत।
कौल किया लिख्या सास्त्रों में, सो आए पोहोंची सरत।।

मैं जो आई ब्याहन दुलहे को, दुलहा आए मुझ कारन।
बांधे पालवसों पालव, पाट बैठे दुलहा दुलहिन।।

धनी आए मेरे लाड़ पालने, वतन पार के पार।
कारज कारन महाकारन से, न्यारी हों इन पिउकी नार।।

कहे महामत ए सो खेल, जो तुम मांग्या था चित दे।
देख खेल हंस चलसी, घर बातां करसी ए।।